हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, बुधवार 14 अक्टूबर 2026

हरिभूमि
समाचार ही नहीं, विचार भी

&

inh 24x7
बढ़ते भारत की आवाज

मिल्कियाना®
Balanced Cattle Feed
Presents

कृषि संवाद

Agriculture Canclave 2026



Thursday, 22 Oct 2026

Vivekanand Auditorium,
Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya, Raipur (C.G.)

Supported By

NABARD

aries agro limited

KSC TECHNO PVT. LTD.
Pioneering a Digital Revolution

Health Partner
ITSA HOSPITALS
HEALTHCARE. HOSPITALITY. HARMONY.

SARDA

tirupati धार्मिक यात्रा सेवा समिति

AVK™

ए.एन.आटोमोबाईल

AANDRAYA ENTERPRISES

सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने मंगलवार को साप्ताहिक समय–सीमा की बैठक में जिले में संचालित विभिन्न शासकीय योजनाओं और विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए पात्र हितग्राहियों तक समय पर लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। साथ ही लंबित आवेदनों और निर्माण कार्यों का निर्धारित समय–सीमा में निराकरण करने पर जोर दिया।

कलेक्टर ने डिजिटल फसल सर्वे एवं भौतिक सत्यापन कार्य की समीक्षा करते हुए इसमें तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी पंचायतों के नोडल अधिकारियों को संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाकर कार्य की प्रगति सुनिश्चित करने को कहा।

बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त आवेदनों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को नागरिकों की समस्याओं का संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ निर्धारित समय–सीमा में समाधान करने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी पात्र किसानों को योजना का शत–प्रतिशत लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने धान उपार्जन के लिए स्वीकृत नवीन केंद्रों के संचालन के लिए उपयुक्त स्थानों का चिन्हांकन और अन्य आवश्यक प्रक्रियाएं समय पर पूरी करने को कहा।

साप्ताहिक समय–सीमा बैठक में कलेक्टर ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

पहचान पत्र निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश

शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने सभी विद्यालयों में विद्यार्थियों के अनिवार्य आधार बायोमेट्रिक अपडेट और अपार पहचान पत्र निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्य की नियमित निगरानी करने को कहा। स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने आयुष्मान कार्ड, वय वंदना कार्ड निर्माण और टीकाकरण की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने पात्र नागरिकों तक स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।



लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कराने पर जोर

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने बैंक एवं अन्य स्तरों पर लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र आवेदकों को योजना का लाभ मिलने में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए।

निर्माणाधीन कार्यों की जानकारी ली

बैठक में स्वामित्व योजना के अंतर्गत अधिकार अभिलेख पत्रों के वितरण की प्रगति की भी समीक्षा की गई। इसके साथ ही महाविद्यालय भवन, छात्रावास भवन, आंगनबाड़ी भवन और ग्रंथालय भवन सहित विभिन्न निर्माणाधीन कार्यों की जानकारी ली गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय–सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

खबर संक्षेप



मां दुर्गा की पूजा में जुटे श्रद्धालु

केशकाल। नवरात्रि पर्व पर केशकाल नगर में भक्ति और श्रद्धा का माहौल बना हुआ है। इसी क्रम में नगर के हर्रापड़ाव में श्री श्री नवयुवक दुर्गा उत्सव समिति द्वारा मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की गई है। मां दुर्गा के जयकारों और पूजा-अर्चना के बीच पूरा वातावरण भक्तिमय नजर आ रहा है। श्रद्धालु माता रानी के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं।

प्राकृतिक आपदा से मृत दो लोगों के परिजनों को 8 लाख की आर्थिक सहायता स्वीकृत

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपुर राशि पन्ना ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 6–4 के अंतर्गत प्राकृतिक आपदा से मृत्यु के दो प्रकरणों में मृतकों के परिजनों को कुल 8 लाख की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है। दोनों प्रकरणों में चार–चार लाख की सहायता प्रदान करने के आदेश जारी किए गए हैं।

माकड़ी तहसील के ग्राम कांवरा निवासी रीता की पानी में डूबने से मृत्यु होने के प्रकरण में उनकी माता सुकदई एवं पिता शोभलाल को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

इसी प्रकार बड़ेराजपुर तहसील के ग्राम धामनपुरी निवासी लिमीका की पानी में डूबने से मृत्यु होने पर उनकी माता अनिता नेताम एवं पिता गोकुल नेताम को 4 लाख की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। कलेक्टर ने संबंधित तहसीलदारों को स्वीकृत सहायता राशि मृतकों के पात्र वारिसों के बैंक खातों में हस्तांतरित करने के निर्देश दिए हैं। दोनों प्रकरणों में राजस्व पुस्तक परिपत्र 6–4 के प्रावधानों के तहत कुल 8 लाख की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है।

विद्यार्थियों ने आतुरगांव और पत्थरी में संभाला मोर्चा

आतुरगांव में ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम का शुभारंभ, विद्यार्थी करेंगे संवाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

रामप्रसाद पोटाई कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र सिंगार भाट कांकेर द्वारा अंगीकृत ग्राम आतुरगांव एवं आश्रित ग्राम पत्थरी में चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों के लिए ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन ग्राम पंचायत की सरपंच लक्ष्मी पोटाई, उपसरपंच सरादु नेताम, ग्रामसभा अध्यक्ष कला मातला एवं ग्राम पटेल राजकुमार कुरेटी की उपस्थिति में प्रभारी अधिष्ठाता डॉ. प्रमोद कुमार नेताम की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में रावे प्रभारी डॉ. नेताम ने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक विद्यार्थी पांच किसानों के संपर्क में रहकर उन्हें कृषि की उन्नत तकनीकों की जानकारी देगा और साथ ही विद्यार्थी किसानों से पारंपरिक कृषि पद्धतियों एवं उनके अनुभवों को सीखेंगे। इससे विद्यार्थियों को ग्रामीण कृषि की वास्तविक परिस्थितियों को समझने और किसानों की समस्याओं के अनुरूप समाधान सुझाने का अवसर मिलेगा। रावे के सहायक प्रभारी डॉ. पीयूष



कांत नेताम ने बताया कि आतुरगांव एवं पत्थरी के लगभग 300 कृषकों और महिला कृषकों से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं एवं समस्याओं को समझा जाएगा। इसके आधार पर किसानों को उपयोगी कृषि तकनीकों की जानकारी देकर तकनीकी ज्ञान का हस्तांतरण किया जाएगा। कार्यक्रम में डॉ. फुलसिंग मरकाम ने किसानों को धान की खेती के साथ-साथ उद्यानिकी फसलों को अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि फल एवं सब्जियों की खेती के माध्यम से किसान अपनी आय के स्रोत बढ़ा सकते हैं और वर्षभर आय अर्जित करने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

डॉ. अनिल नेताम ने कृषि लागत कम करने और किसानों की आय को मजबूत बनाने के लिए खेती के साथ सहायक गतिविधियों को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने शूकर पालन, बकरी पालन, मुर्गी पालन, बतख पालन एवं मछली पालन जैसी गतिविधियों को आय बढ़ाने के उपयोगी माध्यम के रूप में बताया। ग्राम पंचायत की सरपंच लक्ष्मी पोटाई ने किसानों से अपील की कि उनके गांव में कृषि तकनीकी ज्ञान पहुंचना सौभाग्य की बात है। किसानों को जागरूक होकर इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए, ताकि कृषि उत्पादन एवं आय में वृद्धि की जा सके। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न मॉडलों के माध्यम से ग्रामीणों को कृषि संबंधी तकनीकों एवं गतिविधियों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला कृषक, युवा, किसान एवं पंचायत के जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे और कृषि संबंधी प्रदर्शनी का लाभ उठाया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. अनिल दिव्य, प्रदीप कुमार गंजीर, डॉ. जागृति पटेल, डॉ. अभिषेक शोरी एवं डॉ. उषा यादव उपस्थित रहे।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति में तेजी लाएं, लापरवाही बरतने वाले वेंडर्स पर होगी कार्रवाई : कलेक्टर



कांकेर। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जिले में योजना की प्रगति में तेजी लाने के उद्देश्य से कलेक्टर कुन्दन कुमार की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने योजना में प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं वेंडर्स को कार्य में तेजी लाने तथा हितग्राहियों को योजना का लाभ समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन वेंडर्स द्वारा कार्य में लापरवाही बरती जा रही है तथा लंबित प्रकरणों का समय पर निराकरण नहीं किया जा रहा है, उन्हें नोटिस जारी कर नियमानुसार ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाए और साथ ही ऐसे वेंडर्स को भविष्य में जिले में किसी भी कार्य का आवंटन नहीं करने के निर्देश भी दिए गए। वहीं, बेहतर कार्य करने वाले वेंडर्स को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उन्हें मॉडल सोलर विलेज एवं यूएलए मॉडल के मॉडल प्रोजेक्ट में कार्य करने का अवसर प्रदान करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि अच्छा प्रदर्शन करने वाले वेंडर्स को प्रोत्साहन मिलने से योजना के क्रियान्वयन में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी तथा अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा सकेगा।उन्होंने कहा कि योजना के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, समयबद्धता एवं हितग्राहियों की संतुष्टि सुनिश्चित की जाए। बैठक में सोलर वेंडर्स द्वारा बैंकों में सोलर सिस्टम स्थापना के लिए वित्तीय सहायता एवं ऋण संबंधी प्रक्रियाओं में आ रही समस्याओं से भी अवगत कराया गया। इस पर कलेक्टर ने संबंधित बैंक अधिकारियों को समस्याओं का त्वरित निराकरण करने तथा पात्र हितग्राहियों के वित्तपोषण से जुड़े प्रकरणों में अनावश्यक विलंब नहीं करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने संबंधित विभागों, बैंकों एवं वेंडर्स के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर जोर दिया, ताकि अधिक से अधिक परिवार योजना का लाभ लेकर सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली बिल में बचत कर सकें।

कार्यकर्ताओं की समस्याओं पर विधायक विक्रम ने लिया निर्णय



हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

विधायक ने निज सचिव की कार्यप्रणाली को लेकर अंतागढ़ मंडल के कार्यकर्ताओं में असंतोष सामने आया था। इस संबंध में मंडल के समस्त कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर अपनी समस्याओं और भावनाओं से विधायक को अवगत कराया था। कार्यकर्ताओं ने अपनी बात रखते हुए निज सचिव की कार्यप्रणाली से जुड़ी असंतुष्टि को उनके संज्ञान में लाया था। कार्यकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत समस्याओं और भावनाओं को विधायक विक्रम देव उसेंडी ने गंभीरता से सुना। इसके बाद उन्होंने तत्काल कार्रवाई करते हुए राकेश शुक्ला को निज सचिव के पद से कार्यमुक्त करने का निर्णय लिया। विधायक के इस निर्णय के बाद अंतागढ़ मंडल के कार्यकर्ताओं के बीच यह विषय चर्चा में है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि संगठन में कार्यकर्ताओं की भूमिका महत्वपूर्ण होती है और उनकी समस्याओं को उचित मंच पर सुनना आवश्यक है। जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर संवाद तथा समन्वय से संगठनात्मक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करने में मदद मिलती है। ऐसे में कार्यकर्ताओं की ओर से रखी गई बातों पर विधायक द्वारा निर्णय लिया जाना महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अंतागढ़ मंडल के कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई है कि भविष्य में भी उनकी समस्याओं, भावनाओं और मान-सम्मान से जुड़े विषयों को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही जनहित से संबंधित मुद्दों पर भी संवेदनशीलता के साथ निर्णय लिए जाएंगे। कार्यकर्ताओं के अनुसार, संगठन को मजबूत बनाने के लिए आपसी संवाद, समन्वय और विश्वास जरूरी है।

प्रतिभावान विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए मिलेगा आर्थिक सहयोग, श्रीवास सेन समाज की बैठक में लिया निर्णय

धनेलीकन्हार। श्रीवास सेन समाज परिक्षेत्र कांकेर की छैमाही बैठक कांकेर विकासखंड के ग्राम कोकपुर स्थित रामायण शेड में जिला श्रीवास सेन समाज के अध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में समाज के विकास, प्रतिभावान विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहयोग देने तथा आगामी वार्षिक महासभा के आयोजन सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा कर निर्णय लिए गए। बैठक के दौरान जिला अध्यक्ष कैलाश सेन ने कहा कि समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने में आर्थिक परेशानी का सामना न करना पड़े, इसके लिए समाज की ओर से आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाएगा। इसके लिए जरूरतमंद विद्यार्थियों को अपने अभिभावकों के साथ उपस्थित होकर आवेदन प्रस्तुत करना होगा। उन्होंने आगामी महासभा में प्रत्येक परिवार के महिला एवं पुरुष सदस्यों की उपस्थिति सुनिश्चित करने की बात भी कही। बैठक में निर्णय लिया गया कि श्रीवास सेन समाज की वार्षिक महासभा वर्ष 2027 में ग्राम कोकपुर में आयोजित



की जाएगी। महासभा के लिए वार्षिक शुल्क 50 रुपये से बढ़ाकर 100 रुपये प्रति परिवार निर्धारित किया गया है। महासभा का आयोजन सुबह 9 बजे से रात्रि 9 बजे तक किया जाएगा। इस बार महासभा में महिलाओं की उपस्थिति अनिवार्य करने का निर्णय लिया गया, ताकि समाज के निर्णयों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। बैठक में समाज के सदस्यों को जरूरत के समय आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने पर भी सहमति बनी। इसके तहत विवाह, मकान निर्माण, उच्च शिक्षा तथा बीमारी के इलाज के लिए अधिकतम 50 हजार रुपये तक की सहायता संबंधित क्षेत्र के पंच की अनुशंसा पर प्रदान की जाएगी। उच्च शिक्षा के लिए समाज से आर्थिक सहयोग लेने के इच्छुक विद्यार्थियों को अपने अभिभावकों के साथ उपस्थित होकर आवेदन देना होगा, ताकि जरूरत के अनुसार सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया पूरी की जा सके। बैठक के दौरान सचिव हरिशंकर सेन एवं कोषाध्यक्ष अनिल सेन ने समाज की वार्षिक आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। उपस्थित सदस्यों ने समाज की एकजुटता, शिक्षा को बढ़ावा देने तथा जरूरतमंद परिवारों की सहायता के लिए मिलकर कार्य करने पर जोर दिया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष दयालु राम सेन, मीडिया प्रभारी एवं युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष लोकेश्वर सेन, उपाध्यक्ष रामेश्वर सेन, पंच नरेंद्र सेन, जगदीश सेन, कोमल सेन, चम्मन लाल सेन, देवेंद्र कुमार सेन, बसंत सेन, किशोर सेन, विमल कुमार सेन, यशवंत सेन, सुनील सेन एवं संजय सेन सहित समाज के अन्य सदस्य उपस्थित रहें।

सिरसिदा विद्यालय में मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित, श्रद्धा-भक्ति के साथ हुई पूजा-अर्चना

चारामा। ग्राम सिरसिदा के शाला प्रांगण में विद्या, ज्ञान और बुद्धि की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित की गई। विद्यालय में मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित करने की ग्रामवासियों की लंबे समय से चली आ रही इच्छा आखिरकार पूरी हुई। ग्राम पंचायत सिरसिदा के प्रतिनिधियों, शाला विकास समिति के सदस्यों, शिक्षकों और ग्रामवासियों के सामूहिक सहयोग से यह कार्य संपन्न हुआ। प्रतिमा स्थापना के अवसर पर पूरे विद्यालय परिसर में भक्तिमय वातावरण रहा। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर मां सरस्वती से विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और शिक्षा के क्षेत्र में उन्नति की कामना की। प्रतिमा स्थापना एवं पूजा-अर्चना का कार्यक्रम पंडित दयानंद दुबे के द्वारा विधि-विधान से संपन्न



कराया गया। प्रसाद तैयार करने एवं वितरण व्यवस्था में विद्यालय की रसोइया ज्योति गावड़े, लालेश साहू, कांति सांगिया, पदमनी उंदरा, संध्या सिन्हा, पवन धाकड़े, शकुंतला कश्यप, पुरुषोत्तम साहू, कोदू राम और लेखराम साहू का योगदान रहा। कार्यक्रम में ग्रामवासियों और विद्यालय के बच्चों में विशेष उत्साह एवं श्रद्धा देखने को मिली। मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापना से विद्यालय परिसर में सकारात्मक एवं आध्यात्मिक वातावरण निर्मित हुआ। ग्रामीणों ने इसे शिक्षा, संस्कार और आस्था से जुड़ी महत्वपूर्ण पहल बताते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर ग्राम सरपंच कैलाश कोवाची, शिक्षाविद एवं पंच कन्हैया सिंह ठाकुर, शाला समिति अध्यक्ष गुलाब चंद सिन्हा, डेमन साहू और घाना राम साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। विद्यालय के इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन को सफल बनाने में प्रधान पाठक महेंद्र सिंह ठाकुर, ममता साहू, वर्षा खुब चंदनी, महंती मिरी तथा प्रधान पाठिका पीमन सिन्हा का विशेष सहयोग रहा।

पेज 03 के शेष...

दुधावा डेम की दीवार ...

हैं। चार बार तेंदुआ नजर आने की जानकारी के बाद उसकी गतिविधियों को लेकर लोगों की चिंता और बढ़ गई है। शाम ढलने के बाद डेम क्षेत्र से गुजरने वाले लोगों को अब विशेष सावधानी बरतने की जरूरत महसूस हो रही है। एक ओर दुधावा डेम क्षेत्र में तेंदुए की मौजूदगी लोगों को डरा रही है, वहीं दूसरी ओर सिडेसर की सड़कों पर भालुओं के दिखाई देने से भी चिंता बढ़ी हुई है। सड़क पर जंगली जानवरों की मौजूदगी वाहन चालकों और पैदल आने-जाने वाले लोगों के लिए जोखिम पैदा कर सकती है। ऐसे में रात के समय आवाजाही करने वाले ग्रामीणों और राहगीरों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की जरूरत है।

ग्रामीण खेल प्रतिभाओं...

हैं। उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से युवा न केवल अपनी शारीरिक क्षमता को मजबूत करते हैं, बल्कि संघर्ष करने, चुनौतियों का सामना करने और सामूहिक रूप से लक्ष्य हासिल करने की सीख भी प्राप्त करते हैं। विधायक ने कहा कि कबड्डी ग्रामीण भारत की लोकप्रिय और पारंपरिक खेल विधाओं में से एक है। इस खेल में ताकत, फुर्ती, रणनीति, धैर्य और आपसी तालमेल का विशेष महत्व होता है। मैदान में खिलाड़ी जिस तरह एक-दूसरे के साथ समन्वय बनाकर खेलते हैं, वह जीवन में भी एकजुटता और सहयोग की भावना को मजबूत करता है। गांवों में होने वाली ऐसी प्रतियोगिताएं खेल संस्कृति को जीवित रखने के साथ ग्रामीण युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर देती हैं।

परलकोट में महिला ...

महिलाओं द्वारा ही किया जाना है। उन्होंने कहा कि गांव की समिति की ओर से एक ही समूह राशन दुकान संचालित कर सकता है तथा एक समूह केवल एक ही दुकान का संचालन कर सकता है। यदि महिला समूहों को राशन दुकान संचालन की जिम्मेदारी सौंपी गई है, तो वितरण के दौरान पुरुषों की भूमिका किस सीमा तक निर्धारित है, यह स्पष्ट होना जरूरी है। क्या पुरुष केवल सहयोग कर रहे हैं या दुकान का वास्तविक संचालन भी उन्हीं के हाथों में है। इस स्थिति की जांच कर वास्तविक तथ्य सामने लाने की आवश्यकता है। परलकोट क्षेत्र की राशन दुकानों के संचालन की विभागीय जांच कर यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि महिला समूहों को सौंपी गई जिम्मेदारी का नियमानुसार पालन हो रहा है। साथ ही, जहां भी अनियमितता मिले, वहां नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए, ताकि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता बनी रहे।

माहूं और कनकछेद ...

दिया गया और नियमानुसार राहत नहीं मिली, तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन करने के लिए मजबूर हो सकते हैं। फिलहाल किसान फसल को बचाने के लिए उचित उपचार और प्रशासनिक सहायता की उम्मीद कर रहे हैं।

धान खरीदी की ...

किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं के समाधान में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए।बैठक में जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी, एसडीएम भानुप्रतापपुर अनिकेत अशोक फड़तरे, अपर कलेक्टर जितेन्द्र कुर्रे एवं जीडी वाहिले सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी, सभी एसडीएम, जनपद सीईओ और नगरीय निकायों के अधिकारी उपस्थित रहें।

आयुष पॉलीक्लीनिक श्रीरामनगर...

शिविर जिले में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और आमजन तक चिकित्सा सुविधाएं पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो सकता है।

मुख्यमंत्री नोनी सशक्तीकरण योजना से तनुजा के सपनों को मिली उड़ान

कोण्डागांव। मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना इन दिनों जरूरतमंद परिवारों के लिए सहारा बन रही है। इसी योजना के तहत बड़े राजपुर विकासखंड के ग्राम मारंगपुरी निवासी तनुजा मरकाम को 20 हजार की एकमुश्त



आर्थिक सहायता प्राप्त हुई है। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित शिविर में मिली इस सहायता से तनुजा को अपने भविष्य की योजनाओं को आगे बढ़ाने का अवसर मिला है।तनुजा मरकाम के पिता उत्तम लाल मरकाम पंजीकृत निर्माण श्रमिक हैं। इसी आधार पर तनुजा को मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना का लाभ मिला है। योजना से प्राप्त राशि उनके लिए भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने तथा रोजगार एवं स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ने में सहायक होगी। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा संचालित मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना के तहत पात्र पंजीकृत निर्माण श्रमिकों की प्रथम दो अविवाहित पुत्रियों को 20 हजार रुपये की एकमुश्त आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। योजना के निर्धारित प्रावधानों के अनुसार 18 से 21 वर्ष आयु वर्ग की न्यूनतम दसवीं कक्षा उत्तीर्ण अविवाहित बेटियां इसका लाभ प्राप्त कर सकती हैं। सहायता राशि का उपयोग रोजगार, स्वरोजगार तथा विवाह संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए किया जा सकता है।









विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

तापमान

अधिकतम 31.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि

कांकेर भूमि

रायपुर, बुधवार 14 अक्टूबर 2026

भानुप्रतापपुर | चारामा | अंतागढ़ | पखांजूर | दुर्गूकोंदल | नरहरपुर | लखनपुरी | कोयलीबेड़ा

04 नौका विहार से बढ़ेगा पलाचुर डैम का आकर्षण...



04 नवरात्रि, दशहरा एवं दीपावली पर्व पर शांति...



ओपन परीक्षा में 10वीं,12वीं पास छात्र-छात्राओं के लिए रोजगारमुखी प्रशिक्षण फायर सेफ्टी के द्वारा नौकरी सुनिश्चित करें

भिलाई। संस्था फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण केंद्र निजी संस्थान है, भिलाई में रोजगार मुखी प्रशिक्षण हेतु भर्ती योग्यता 10वीं 12वीं एवं स्नातक एवं स्नाकोत्तर किसी भी संकाय आयु 17 से 40 वर्ष फायर एवं औद्योगिक सुरक्षा डिग्री डिप्लोमा कार्यरत कर्मचारी पार्ट टाइम फुल टाइम प्रशिक्षण कर सकते है, मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थान एवं रोजगार विकास हेतु पंजीकृत FSDMI BHILAI मान्यता प्राप्त संस्था द्वारा विशेष प्रशिक्षण अग्निशमन एवं औद्योगिक सुरक्षा प्रबंधन पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं को रोजगार उपलब्ध कराना है, फायर एवं औद्योगिक सुरक्षा की नियुक्ति फायर स्टेशन, कारखाने, खदानों, माइनिंग, पावर प्लांट, कार्गो हब फैक्ट्री कारखाने सरकारी एजेंसी, इंश्योरेंस कंपनी एवं अन्य जगहों में फायर अधिकारी, ट्रेनर, फायरमैन, औद्योगिक सुरक्षा निरीक्षक, सेफ्टी मैनेजर, फायर सुपरवाइजर, टीम लीडर जैसे अन्य पदों हेतु अवसर मिलते हैं तथा भविष्य में पदोन्नति की भरपुर संभावनाएं होती है साथ ही फायर एवं सेफ्टी ऑफिसर स्वयं रोजगार के लिए समर्थ होते हैं अनुमानित जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में बने नए जिलों में अनुमानित लगभग 2000 फायरमैन एवं अग्निशमन वाहन चालक की भर्तियां आने की संभावना है, संस्था से प्रशिक्षण प्राप्त कर छात्र-छात्राएं



विभिन्न कंपनियों जैसे रक्षा मंत्रालय भारत सरकार (DRDO), भिलाई स्टील प्लांट, रेल मंत्रालय ब्रेथवेट कंपनी लिमिटेड, पावर प्लांट, सीमेंट प्लांट, स्टील प्लांट, एवं अन्य कंपनियों में ठेकेदारी बेस से कार्यरत कर रहे है संस्था FSDMI भिलाई में चल रहे 6 माह, 1 वर्षीय, फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण की जानकारी सूचना केंद्र में बताई जाएगी, संस्था द्वारा उपलब्ध सुविधाएं प्रशिक्षण के दौरान आत्मनिर्भरता के लिए सुविधा अनुसार पार्ट-टाइम, फुल-टाइम नौकरी दिलवाने में सहायता की जाती है जिससे छात्र-छात्राएं अपनी प्रशिक्षण की शुल्क एवं रहने और खाने क्या खर्च स्वयं से निकाल सकते हैं, प्रशिक्षण प्राप्त उम्मीदवारों एवं सफल अभ्यार्थियों को सरकारी प्रमाण पत्र प्रदान किया जावेगा। प्रशिक्षण उपरांत छात्रों को निजी कंपनियों में नौकरी लगने में सहायता की जाती है, सभी जाति वर्ग के (SC, ST, OBC, GENERAL) संस्था के द्वारा प्रशिक्षण शुल्क में विशेष छूट दी जाएगी। **अधिक जानकारी के लिए-**

पता: फायर सेफ्टी एवं डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, (निजी संस्थान) इंदिरा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, नजदीक गदा चौक, सुपेला भिलाई, दुर्ग (छ.ग.)

संपर्क करें: मो. 7697212782

Advt.

हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
मास्टर कूपन
14 अक्टूबर 2026
कूपन नं.
8

नवरात्रि विशेष



चतुर्थ : कूष्माण्डा

मां दुर्गा अपने चतुर्थ स्वरूप में कूष्माण्डा के नाम से जानी जाती हैं। नवरात्र के चौथे दिन आयु, यश, बल व ऐश्वर्य को प्रदान करने वाली भगवती कूष्माण्डा की उपासना-आराधना का विधान है। अपनी मंद हंसी द्वारा अण्ड अर्थात ब्रह्माण्ड को उत्पन्न करने के कारण इन्हें कूष्माण्डा देवी के नाम से अभिहित किया गया है। जब सृष्टि का अस्तित्व नहीं था, चारों ओर अंधकार ही अंधकार परिव्याप्त था तब इन्हीं देवी ने अपने ईषत हास्य से ब्रह्माण्ड की रचना की थी। अतः यही सृष्टि की आदि स्वरूपा आदि शक्ति मानी जाती हैं. इनके पूर्व ब्रह्माण्ड का अस्तित्व था ही नहीं. इनकी आठ भुजाएं हैं. अतः ये अष्टभुजा देवी के नाम से विख्यात हैं। इनके सात हाथों में क्रमशः कमण्डल, धनुष बाण, कमल, पुष्प, अमृतपूर्ण कलश, चक्र तथा गदा हैं. आठवें हाथ में सभी सिद्धियों और निधियों को देने वाली जपमाला है. इनका वाहन सिंह है। अपनी मंद, हल्की हंसी द्वारा ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इन्हें कूष्माण्डा देवी के रूप में पूजा जाता है. संस्कृत भाषा में कूष्माण्डा को कुम्हड़ कहते हैं. बलियों में कुम्हड़े की बलि इन्हें सर्वाधिक प्रिय है. इस कारण से भी मां कूष्माण्डा कहलाती हैं. सर्वप्रथम मां कूष्मांडा की मूर्ति अथवा तस्वीर को चौकी पर दुर्गा यंत्र के साथ स्थापित करें इस यंत्र के नीचे चौकी पर पीला वस्त्र बिछाएं. अपने मनोरथ के लिए मनोकामना गुटिका यंत्र के साथ रखें. दीप प्रज्ज्वलित करें तथा हाथ में पीले पुष्प लेकर मां कूष्मांडा का ध्यान करें.

वन्दे वांछित कामर्थे चन्द्रार्घकृत शेखराम।
सिंहरूढा अष्टभुजा कुष्माण्डा यशस्वनीम।।

एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन 16 को

कांकेर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र कोड़ेजुंगा कांकेर में एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन 16 अक्टूबर को सुबह 11 से अपरान्ह 03 बजे तक किया जाएगा, जिसमें निजी क्षेत्र के नियोजकों द्वारा 340 रिक्तियों के आधार पर भर्ती की जाएगी। जिला रोजगार अधिकारी बीआर ठाकुर ने बताया कि उक्त प्लेसमेंट कैम्प में सुरक्षा जवान के 250 पद, सुपरवाईजर के 50 पद, बीमा सखी के 10 और फील्ड ऑफिसर के 30 पदों पर भर्ती की जाएगी। इच्छुक आवेदक उक्त रोजगार मेला में उपस्थित होकर अथवा ई-रोजगार के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन पर अपना सम्पूर्ण बायोडाटा के साथ आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं। प्राप्त आवेदनों के आधार पर नियोक्ता द्वारा प्राथमिक चयन कर साक्षात्कार लिया जाएगा, जिसकी सूचना फोन के माध्यम से आवेदक को दिया जाएगा।

कांकेर में वन्यजीवों की बढ़ती दस्तक से लोग हलाकान

दुधावा डेम की दीवार पर तेंदुआ सिडेसर की सड़कों पर भालू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

जिले में जंगली जानवरों की लगातार बढ़ती आवाजाही ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। कहीं तेंदुआ सड़क किनारे नजर आ रहा है, तो कहीं भालू सड़कों पर घूमते दिखाई दे रहे हैं। दुधावा डेम की दीवार पर रात के अंधेरे में तेंदुआ दिखाई देने की घटना ने एक बार फिर क्षेत्र में वन्यजीवों की मौजूदगी को लेकर चर्चा तेज कर दी है। वहीं सिदेसर की सड़कों पर भालुओं की आवाजाही से लोगों में भय का माहौल है। जंगलों से निकलकर आबादी और आवागमन वाले क्षेत्रों तक पहुंच रहे वन्यजीवों के कारण लोगों के सामने सुरक्षा की चिंता खड़ी हो गई है। ऐसे में सवाल उठने लगा है कि आखिर लोगों को इस समस्या से राहत कब मिलेगी और वन विभाग की ओर से सुरक्षा के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे।

जानकारी के अनुसार बीती रात दुधावा डेम की दीवार पर एक तेंदुआ बैठा दिखाई दिया। इसी दौरान वहां से गुजर रही एक कार की हेडलाइट तेंदुए पर पड़ी। रोशनी पड़ते ही तेंदुआ सतर्क हुआ और तत्काल वहां से भाग निकला। अचानक तेंदुए को सामने देखकर वाहन सवार भी सतर्क हो गए। रात के अंधेरे में इस तरह तेंदुए की मौजूदगी सामने आने के बाद क्षेत्र में लोगों के बीच इसकी चर्चा होने लगी है। बताया जा रहा है कि क्षेत्र में तेंदुए के दिखाई देने की घटनाएं लगातार सामने आ रही

शेष पेज 02 पर

अलग खबर

वन विभाग की निगरानी जरूरी

कांकेर क्षेत्र में लगातार सामने आ रही घटनाओं के बीच वन विभाग की निगरानी और समय पर कार्रवाई महत्वपूर्ण हो गई है। लोगों को उम्मीद है कि संबंधित क्षेत्र में वन्यजीवों की गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी तथा जरूरत के अनुसार लोगों को सतर्क करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। इससे मानव सुरक्षा के साथ वन्यजीवों को भी नुकसान से बचाने में मदद मिल सकती है।

दहशत के बीच ग्रामीण

सुरक्षा पर बढ़ी चिंता



तेंदुआ या भालू दिखे तो न करें छेड़छाड़

कांकेर वनमंडल के वनमंडलाधिकारी शशिगानंदन के. ने कहा कि वन्यजीव दिखाई देने पर लोगों को उसके करीब जाने, उसे घेरने, शोर मचाकर भगाने या फोटो-वीडियो बनाने के लिए नजदीक पहुंचने से बचना चाहिए। सुरक्षित दूरी बनाए रखते हुए धीरे-धीरे सुरक्षित स्थान पर जाना चाहिए और संबंधित वन विभाग को सूचना देनी चाहिए। खासकर शाम और रात के समय सुनसान मार्गों पर अनावश्यक आवाजाही से बचना तथा वाहन चलाते समय सतर्क रहना जरूरी है।

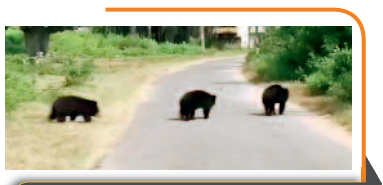

सिदेसर गांव के सड़क पर दिखे तीन भालू, लोगों में दहशत

कांकेर जिले के ग्राम सिदेसर में दिनदहाड़े सड़क पर तीन भालुओं के दिखाई देने से लोगों में दहशत का माहौल है। सड़क पार करते भालुओं का दृश्य सामने आने के बाद क्षेत्र में वन्यजीवों की आवाजाही को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। ग्रामीण अंचल की सड़क पर एक साथ तीन भालुओं के नजर आने से लोगों के बीच सतर्कता बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार ग्राम सिदेसर में तीन भालू सड़क के आसपास विचरण करते हुए दिखाई दिए। दिन के उजाले में इस तरह भालुओं का सड़क पार करना आसपास के लोगों के लिए हैरानी का विषय बन गया। इस दृश्य को देखकर लोगों में भय और उत्सुकता दोनों का माहौल है। ग्रामीण क्षेत्रों में जंगल से लगे मार्गों पर वन्यजीवों की आवाजाही लोगों के लिए चिंता का कारण बन सकती है। ऐसे में सड़क से गुजरने वाले वाहन चालकों और राहगीरों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। भालुओं के नजदीक जाने, उन्हें घेरने, शोर मचाकर परेशान करने या उनके साथ सेल्फी लेने का प्रयास करना खतरनाक हो सकता है।

पुसवाड़ा में कबड्डी प्रतियोगिता का समापन

ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देना हमारा संकल्प : विधायक आशाराम



हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

ग्रामीण अंचलों में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत है उन्हें उचित मंच, संसाधन और प्रोत्साहन प्रदान करने की, ताकि वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर खेल जगत में नई पहचान बना सकें। खेल न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ रखते हैं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, समर्पण और टीम भावना जैसे महत्वपूर्ण गुणों का भी विकास करते हैं। यह बात विधायक आशाराम नेताम ने 13 अक्टूबर को ग्राम पुसवाड़ा में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता के समापन समारोह में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कही।

समापन समारोह में विधायक ने खिलाड़ियों के खेल कौशल और उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजित खेल प्रतियोगिताएं स्थानीय युवाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का बेहतर अवसर प्रदान करती हैं। ऐसे आयोजन युवाओं में खेल के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ उन्हें सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते

शेष पेज 02 पर

प्रतिभाओं को मिले प्रोत्साहन



खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

विधायक आशाराम नेताम ने कहा कि उनका संकल्प है कि ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिले और युवाओं को आगे बढ़ने के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध हों। युवा साथी अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर खेल के क्षेत्र में सफलता हासिल करें तथा अपने गांव, क्षेत्र और प्रदेश का नाम रोशन करें। उन्होंने खिलाड़ियों से नियमित अभ्यास करने, अनुशासन बनाए रखने और खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने की बात कही।

खिलाड़ियों में रहा उत्साह का माहौल

ग्राम पुसवाड़ा में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता के समापन अवसर पर खिलाड़ियों में उत्साह का माहौल रहा। इस तरह के आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को सामने लाने और युवाओं को खेलों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रतियोगिताओं के माध्यम से गांवों में आपसी सद्भाव, भाईचारे और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को भी बढ़ावा मिलता है।

परलकोट में महिला समूहों के नाम राशन दुकानें, वितरण करते दिख रहे पुरुष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पखांजूर

परलकोट क्षेत्र में उचित मूल्य राशन दुकानों के संचालन को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। क्षेत्र में ऐसी स्थिति देखने को मिल रही है, जहां महिला समूहों के नाम पर संचालित राशन दुकानों में पुरुषों द्वारा राशन वितरण किया जा रहा है। इससे महिला समूहों को दुकान संचालन की जिम्मेदारी देने के उद्देश्य और जमीनी स्तर पर व्यवस्था के क्रियान्वयन को लेकर चर्चा शुरू हो गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार परलकोट क्षेत्र में कई उचित मूल्य राशन दुकानों का संचालन महिला समूहों के माध्यम से किया जाना है। लेकिन राशन वितरण के दौरान पुरुषों की भूमिका दिखाई देने से यह सवाल उठ रहा है कि दुकानों का वास्तविक संचालन निर्धारित नियमों के अनुरूप हो रहा है या नहीं। वहीं शासन के नियमों को



ताक पर रखते हुए एक ही व्यक्ति द्वारा मिलीभगत से दो तीन राशन दुकाने संचालित किया जा रहा है जबकि कागजों पर दुकाने अलग अलग स्व सहायता समूहों के नाम पर है। इस संबंध में कोयलीबेड़ा के खाद्य अधिकारी मुकेश साहू ने बताया कि नियमानुसार महिला सहकारी समिति अथवा महिला समूह को राशन दुकान संचालन की जिम्मेदारी दी जाती है और दुकान का संचालन

शेष पेज 02 पर

सड़क दुर्घटना में मृत्यु एवं घायल होने के प्रकरण में आर्थिक सहायता स्वीकृत

कांकेर। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भानुप्रतापपुर द्वारा सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने के प्रकरण में उनके निकटतम परिजन के लिए 25 हजार रूपए और सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति के लिए 10 हजार रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत किया गया है। चारामा तहसील के ग्राम बड़ेगोरी निवासी टिखेन्द्र कुरेटी की सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने पर उनके पिता जितेन्द्र कुमार कुरेटी के लिए 25 हजार रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत किया गया है। भानुप्रतापपुर तहसील के वार्ड क्रमांक 12 नयापारा निवासी सरोजसिंह की सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने पर पति बच्चनसिंह के लिए 25 हजार रूपए तथा ग्राम साल्हे निवासी तातूराम दुग्गा की सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने पर पत्नी सरिता दुग्गा के लिए 25 हजार रूपए, अंतागढ़ तहसील के ग्राम छोटेधौंसा निवासी तुकेश कुमार उर्वशा की सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने पर पत्नी तिजनबाई के लिए 25 हजार रूपए एवं सड़क दुर्घटना में घायल ग्राम भैंसासुर मटियाखार निवासी हरेश कोमरा को 10 हजार रूपये की सहायता राशि स्वीकृत किया गया है।

सर्वे कराकर मुआवजा देने की मांग

माहूं और कनकछेद के प्रकोप से फसल को नुकसान की आशंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सरोना

धान की फसल से अच्छी पैदावार की उम्मीद लगाए किसानों की चिंता बढ़ गई है। जिले के ग्राम सरोना में धान की फसल पर माहूं कीट और कनकछेद के प्रकोप से किसान परेशान हैं। किसानों का कहना है कि खेतों में बीमारी फैलने से पौधे कमजोर हो रहे हैं, पत्तियां और तने सूख रहे हैं तथा धान के दाने काले पड़ने लगे हैं। इससे फसल की पैदावार प्रभावित होने की आशंका है। किसानों ने कृषि विभाग और जिला प्रशासन से खेतों का सर्वे कराकर उचित मुआवजा देने की मांग की है।

ग्राम सरोना निवासी किसान नरेंद्र चंद्रवंशी और राकेश कोड़ोपी ने बताया कि इस वर्ष धान की फसल में शुरुआत से ही माहूं कीट का प्रकोप दिखाई देने लगा था।



इसके बाद कनकछेद सहित अन्य समस्याओं के कारण फसल प्रभावित होने लगी। कई खेतों में पौधों के तने और पत्तियां सूख रही हैं, वहीं दानों के काले पड़ने की शिकायत भी सामने आ रही है। किसानों के अनुसार उन्होंने बाजार से दवाइयां खरीदकर खेतों में छिड़काव किया, लेकिन इसके बावजूद अपेक्षित राहत नहीं मिली। दवाइयों पर अतिरिक्त खर्च होने से खेती की लागत बढ़ गई है। वहीं, उत्पादन में कमी की आशंका ने किसानों की चिंता और बढ़ा दी है। धान की खेती पर निर्भर छोटे किसानों के सामने आर्थिक संकट का खतरा मंडराने लगा है।

कृषि विभाग से की मांग

प्रभावित किसानों ने कृषि विभाग से गांव के खेतों का तत्काल निरीक्षण कराने और फसल में फैल रही बीमारी की सही पहचान कर उचित उपचार की सलाह देने की मांग की है। किसानों का कहना है कि समय रहते प्रभावी उपाय नहीं किए गए तो उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। किसानों ने जिला प्रशासन से प्रभावित फसलों का सर्वे कराकर नुकसान का आकलन करने और नियमानुसार मुआवजा देने की मांग की है। उनका कहना है कि फसल खराब होने से पूरे साल की मेहनत और खेती में लगाई गई पूंजी पर संकट खड़ा हो सकता है। किसानों ने प्रशासन से जल्द राहत दिलाने की अपील की है। उनका कहना है कि यदि उनकी समस्याओं पर समय रहते ध्यान नहीं

शेष पेज 02 पर

जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाने पर जोर

धान खरीदी की तैयारियां 20 अक्टूबर से पहले पूरी करने कलेक्टर ने दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

कलेक्टर ने डीएमएफ के अंतर्गत स्वीकृत विकास कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने और निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं, उन्होंने सभी निर्माण कार्यों में सूचना बोर्ड लगाने तथा उसमें कार्य से संबंधित संपूर्ण विवरण दर्ज करने को कहा। साथ ही योजना के अंतर्गत सभी प्रक्रियाओं को ऑनलाइन करने और निर्माण एजेंसियों की आईडी जनरेट करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने मंगलवार को आयोजित बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कर्तव्यबोध के साथ जिम्मेदारी निभाने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए और सभी स्वीकृत कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरे किए जाएं। बैठक में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना और जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने दोनों योजनाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए। पीएम सूर्य घर योजना को बढ़ावा देने के लिए सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को सक्रियता से कार्य करने को कहा गया। उन्होंने जिला अधिकारियों और उनके अधीनस्थ कर्मचारियों को भी अपने घरों में सोलर पैनल लगवाने के लिए प्रोत्साहित किया। योजना के क्रियान्वयन में लगे वेंडरों की बैठक आयोजित करने की जिम्मेदारी जिला पंचायत सीईओ को दी गई। वहीं, जनपद सीईओ को पंचायत प्रतिनिधियों और ग्राम पंचायत सचिवों की बैठक लेकर योजना की जानकारी देने तथा ग्रामीणों को सोलर पैनल लगाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा प्रत्येक विकासखंड में चिन्हांकित गांवों को सोलर मॉडल गांव के रूप में विकसित करने पर जोर दिया गया। जनपद सीईओ को अपने-अपने क्षेत्रों के सभी धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण करने और केंद्रों तक पहुंचने वाले मार्गों को दुरुस्त कराने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि खरीदी शुरू होने से पहले जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि किसानों को धान बेचने के दौरान

शेष पेज 02 पर



धान खरीदी की तैयारी पूरी करने के निर्देश

आगामी माह से समर्थन मूल्य पर शुरू होने वाली धान खरीदी की तैयारियों की भी कलेक्टर ने समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में धान खरीदी का कार्य सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं 20 अक्टूबर से पहले पूरी कर ली जाएं।

आयुष पॉलीक्लीनिक श्रीरामनगर में लगेगा जिला स्तरीय निःशुल्क आयुष चिकित्सा शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

आम नागरिकों को आयुष चिकित्सा पद्धति के प्रति जागरूक करने और निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बुधवार 14 अक्टूबर को कांकेर में जिला स्तरीय निःशुल्क आयुष चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। संचालनालय आयुष छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार आयोजित यह शिविर आयुष पॉलीक्लीनिक श्रीरामनगर कांकेर में सुबह 10 बजे से शुरू होगा। आयुष विभाग द्वारा आयोजित इस शिविर में लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श एवं आयुष चिकित्सा पद्धतियों की जानकारी प्रदान की जाएगी।

शिविर में विधायक आशाराम नेताम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष अरुण कौशिक कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।



कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में जिला पंचायत कांकेर की अध्यक्ष किरण नरेटी, सरपंच जागेश्वरी उइके, पार्षद अजय रेणु तथा उपसरपंच दोलेश जैन उपस्थित रहेंगे। आयुष चिकित्सा शिविर के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने तथा पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के लाभों से परिचित कराने का प्रयास किया जाएगा। शिविर में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आयुष विभाग ने आम नागरिकों से उपस्थित होकर इस निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा का लाभ लेने आव्हान किया। आयुष विभाग द्वारा आयोजित यह

शेष पेज 02 पर

खबर संक्षेप



शराब के नशे में हंगामा करने वाले युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कांकेर। नगर पंचायत पखांजूर के सामने सार्वजनिक स्थान पर शराब के नशे में हुड़दंग करना एक व्यक्ति को महंगा पड़ गया। पखांजूर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी गोविंदपुर कांकेर निवासी 39 वर्षीय सागर मिश्रा हाल निवास सिविल अस्पताल के पास पखांजूर को रात के समय हंगामा करते हुए पकड़ा। डॉक्टर की रिपोर्ट में शराब का सेवन किए जाने का उल्लेख किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 36(च)(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

ग्रामीण के कब्जे से 8 लीटर महुआ शराब जप्त

कांकेर। हल्बा चौकी अंतर्गत ग्राम डोड़कावाही में पुलिस ने छापामार



कार्यवाही करते हुए आरोपी 46 वर्षीय रामदेव सुरोजिया पिता नारदराम को अवैध रूप से महुआ शराब रखने के आरोप में पकड़ा। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार आरोपी अपने पास 8 लीटर महुआ शराब को बेचने के लिए रखा हुआ था। कब्जे से शराब और नगद 800 रूपये को जप्त कर धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

स्वामी आत्मानंद हल्बा में न्योता भोज कार्यक्रम



कांकेर। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय हल्बा में आज न्योता भोज कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास एवं आत्मीय वातावरण में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की कक्षा पहली से बारहवीं तक के समस्त विद्यार्थियों को स्नेहपूर्वक भोजन कराया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय की शिक्षिकाओं मेघा नागवंशी के जन्मदिन तथा मिताली नायक के पिताजी पंकज नायक के जन्मदिन के अवसर पर दोनों शिक्षिकाओं की ओर से किया गया। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों के साथ खुशियाँ साझा करने, आपसी सद्भाव बढ़ाने तथा विद्यालय में पारिवारिक एवं सहयोगात्मक वातावरण को प्रोत्साहित करने का सराहनीय प्रयास किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य अमित सक्सेना एवं उप प्राचार्य देवसिंह दीवान सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं की सहभागिता रही। सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भोजन ग्रहण किया तथा कार्यक्रम का आनंद लिया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में प्रसन्नता, अपनत्व और सामूहिक सहभागिता का वातावरण देखने को मिला।

अस्पताल पहुंचने से पहले युवक की हुई मौत

कांकेर। थाना कांकेर अंतर्गत माटवाड़ा निवासी 40 वर्षीय नरेश उसेण्डी पिता फुलसिंह उसेण्डी का अस्पताल पहुंचने से पहले मौत हो गया।

नौका विहार से बढ़ेगा पलाचुर डैम का आकर्षण, पर्यटकों को मिलेगी मनोरंजन की सुविधा

क्षेत्र के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पलाचुर डैम में बुधवार को बोटिंग एवं बोट संचालन का शुभारंभ किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देना तथा स्थानीय लोगों और बाहर से आने वाले पर्यटकों को मनोरंजन के साथ नौका विहार की सुविधा उपलब्ध कराना है। ग्रामीणों के सहयोग से शुरू की जा रही यह पहल पलाचुर डैम को पर्यटन के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

पर्यटकों को मिलेगा नया अनुभव, बढ़ेंगे रोजगार के अवसर



हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्गूकोंदल

पलाचुर डैम अपनी प्राकृतिक सुंदरता और आकर्षक वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां बोटिंग की सुविधा शुरू होने से पर्यटकों को जलाशय में नौका विहार का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। इससे डैम की ओर पर्यटकों का आकर्षण बढ़ने और क्षेत्र में पर्यटन संबंधी गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। स्थानीय स्तर पर इस पहल से रोजगार और स्वरोजगार की संभावनाएं भी विकसित हो सकती हैं। बोटिंग एवं बोट संचालन की व्यवस्था आरती महिला स्व-सहायता समूह तथा समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से की जा रही है। ग्राम पलाचुर, ग्राम पंचायत दुर्गूकोदल में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की जा रही इस पहल में महिला स्व-सहायता समूह की महत्वपूर्ण भूमिका है।

ग्रामवासियों के प्रति आभार जताया

आरती महिला स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष सरिता उयके, सचिव कमिला नरेटी एवं कोषाध्यक्ष राजिमा मरकाम ने बताया कि पलाचुर डैम में बोटिंग सुविधा शुरू करने का उद्देश्य पर्यटकों को बेहतर मनोरंजन उपलब्ध कराने के साथ क्षेत्र के पर्यटन विकास को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने इस पहल में सहयोग देने वाले ग्रामवासियों के प्रति आभार जताया। बोटिंग सुविधा शुरू होने से पलाचुर डैम आने वाले पर्यटकों को एक नया अनुभव मिलेगा। साथ ही स्थानीय प्राकृतिक स्थलों को पर्यटन मानचित्र पर पहचान दिलाने की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। ग्रामीणों को उम्मीद है कि भविष्य में आवश्यक सुविधाओं के विकास के साथ पलाचुर डैम पर्यटकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन सकेगा। शुभारंभ कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, गणमान्य नागरिकों एवं ग्रामवासियों को आमंत्रित किया गया है। ग्रामीणों ने अधिक से अधिक लोगों से इस पहल से जुड़ने और पलाचुर डैम के पर्यटन विकास में सहयोग करने की अपील की है।

जिला पंचायत में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक हुई आयोजित

नवरात्रि, दशहरा एवं दीपावली पर्व पर शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर



दुर्गा प्रतिमा विसर्जन में डीजे के स्थान पर पारंपरिक वाद्य यंत्रों के उपयोग का सामूहिक निर्णय

नवरात्रि, दशहरा एवं दीपावली पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला पंचायत कांकेर के सभाकक्ष में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान डीजे साउंड सिस्टम का उपयोग नहीं करने तथा भारतीय परंपरा एवं संस्कृति के अनुरूप तबला, ढोलक, मंजीरा एवं अन्य पारंपरिक वाद्य यंत्रों के उपयोग का सामूहिक निर्णय लिया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं समाज प्रमुखों ने इस पहल को सामाजिक सद्भाव, सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण और शांतिपूर्ण आयोजन की दिशा में महत्वपूर्ण बताया।

बैठक में सर्वाच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय द्वारा ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के संबंध में जारी निर्देशों की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि रात्रि 10 बजे से सुबह 6 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर लागू प्रतिबंध सहित निर्धारित ध्वनि सीमा, अनुमत शोर स्तर एवं संवेदनशील क्षेत्रों से संबंधित नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाए। सभी आयोजकों से ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित रखते हुए पर्व मनाने की अपील की गई। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक आशाराम नेताम ने कहा कि शांति समिति की बैठक में विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों ने उपस्थित होकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। भारतीय संस्कृति एवं परंपरा के अनुरूप प्राचीन और स्थानीय वाद्य यंत्रों का उपयोग करते हुए दुर्गा प्रतिमा विसर्जन करने का निर्णय सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि ढोल, मंजीरा एवं तबला जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया जाए।

सभी समाज प्रमुख अपने-अपने समाज एवं दुर्गा समितियों की बैठक लेकर इस निर्णय को अपनाने के लिए प्रेरित करें, ताकि समाज में सकारात्मक संदेश जाए। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने कहा कि बैठक में पर्वों के शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर सार्थक चर्चा हुई है। इसी क्रम में जिले के सभी विकासखंडों में भी शांति समिति की बैठकें आयोजित की जाएंगी, जिसमें दुर्गा समितियों के सदस्यों एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों को डीजे के उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों तथा सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने दुर्गा समितियों से भारतीय परंपरा के अनुरूप पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ प्रतिमा विसर्जन करने की अपील की और साथ ही सभी दुर्गा आयोजन समितियों को अपने सदस्यों की जानकारी संबंधित थाना में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने सामूहिक निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि कांकेर जिले में हमेशा से शांति एवं सौहार्द्र की परंपरा रही है।

बीहड़ वनांचल कोड़ेकुर्से में 30 वर्षों से सज रहा मां दुर्गा का दरबार

94 ज्योति कलश प्रज्वलित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्गूकोंदल



बीहड़ वनांचल ग्राम कोड़ेकुर्से में मां दुर्गा के प्रति श्रद्धा और भक्ति की अनूठी परंपरा पिछले 30 वर्षों से निरंतर निभाई जा रही है। शारदीय नवरात्र के अवसर पर गांव में मां दुर्गा का दरबार सजाया गया है, जहां इस वर्ष 94 मनोकामना ज्योति कलश प्रज्वलित किए गए हैं। तीन दशक से चली आ रही यह परंपरा ग्रामीणों की अटूट आस्था के साथ आपसी एकता, सहयोग और सामाजिक समरसता की मिसाल बन गई है।

प्राकृतिक वातावरण से घिरे कोड़ेकुर्से गांव में नवरात्र पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। ग्रामीण पिछले लगभग तीन दशकों से मिल-जुलकर मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापना, पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन करते आ रहे हैं। समय के साथ परिस्थितियों में बदलाव आया, लेकिन मां दुर्गा के प्रति ग्रामीणों की आस्था और परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प बरकरार है। इस आयोजन की विशेषता यह है कि इसमें किसी एक व्यक्ति या परिवार की नहीं, बल्कि पूरे गांव की सहभागिता रहती है। ग्रामीण अपनी क्षमता के अनुसार आर्थिक और अन्य सहयोग देकर आयोजन को सफल बनाते हैं। सभी मिलकर धार्मिक कार्यक्रमों की व्यवस्था संभालते हैं। इस सामूहिक प्रयास से गांव में एकता और भाईचारे की भावना मजबूत हो रही है। साथ ही नई पीढ़ी को अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ने का अवसर मिल रहा है।

नवरात्र के दौरान ग्राम कोड़ेकुर्से में दुर्गा सप्तशती पाठ और यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। ग्राम पोंडी, जिला बालोद के आचार्य पंडित दानेश्वर प्रसाद मिश्रा के सान्निध्य में धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए जा रहे हैं। वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान से हो रही पूजा-अर्चना के बीच श्रद्धालु मां दुर्गा की आराधना कर रहे हैं।

अंगूठे का निशान न मिलने पर अब ओटीपी से मिलेगा राशन

कलेक्टर जनदर्शन में 47 आवेदन प्राप्त अधिकारियों को दिए निराकरण के निर्देश



हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक कलेक्टर जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने आवेदकों की समस्याएं सुनीं और प्राप्त आवेदनों पर नियमानुसार कार्यवाही करते हुए उनके निराकरण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जनदर्शन में कुल 47 आवेदन प्राप्त हुए।

जनदर्शन में ग्राम सरोना निवासी सावित्री बघेल ने कलेक्टर के समक्ष उचित मूल्य दुकान से राशन नहीं मिल पाने की समस्या रखी और राशन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को तत्काल समस्या का निराकरण करने के निर्देश दिए।

इस पर खाद्य विभाग के अधिकारी ने बताया कि अंगूठे का निशान स्कैन नहीं हो पाने के कारण हितग्राही को राशन प्राप्त करने में परेशानी हो रही थी। अब उन्हें ओटीपी के माध्यम से राशन उपलब्ध कराया जाएगा। जनदर्शन में ग्राम कोदाभाट में आवारा मवेशियों के लिए चारागाह एवं उचित व्यवस्था करने, प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत करने, पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत टूल किट उपलब्ध कराने तथा प्रधानमंत्री आवास प्लस योजना में ग्रामीणों के नाम जोड़ने संबंधी आवेदन प्राप्त हुए। इसके अलावा मनरेगा की राशि दिलाने, जन्म प्रमाण पत्र बनवाने, अतिक्रमण हटाने, नल-जल योजना के अंतर्गत अपूर्ण कार्यों को पूरा कराने, अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करने तथा जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) मद से स्वीकृत कार्यों को पूर्ण कराने की मांग भी की गई।

नंदी चौक गढ़पारा में गरबा की धूम, रंग-बिरंगी रोशनी

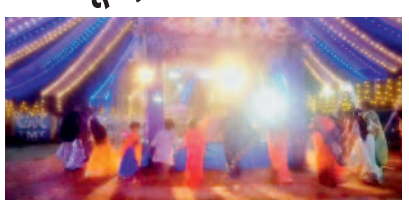

अंतागढ़। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर अंतागढ़ नगर में भक्ति और उत्साह का माहौल बना हुआ है। इसी कड़ी में नंदी चौक, गढ़पारा अंतागढ़ द्वारा भव्य गरबा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आकर्षक विद्युत सजावट, रंग-बिरंगी रोशनी और पारंपरिक परिधानों में सजे प्रतिभागियों ने आयोजन को विशेष आकर्षण प्रदान किया।

गरबा की मधुर धुनों पर प्रतिभागियों ने पारंपरिक अंदाज में नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। मां दुर्गा की आराधना के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में श्रद्धा और उल्लास का अनूठा संगम देखने को मिला। रोशनी से जगमगाता आयोजन स्थल और गरबा की लयबद्ध प्रस्तुतियां उत्सव की रौनक बढ़ाती रहीं। नवरात्रि के दौरान गरबा आयोजन धार्मिक आस्था के साथ भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखने का माध्यम भी है। ऐसे कार्यक्रमों से लोगों को एक साथ जुड़ने, आपसी मेलजोल बढ़ाने और सामूहिक सहभागिता के साथ त्योहार मनाने का अवसर मिलता है। नंदी चौक, गढ़पारा द्वारा आयोजित गरबा कार्यक्रम ने नगर के नवरात्रि उत्सव में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया। पारंपरिक नृत्य, मनमोहक सजावट और भक्तिमय वातावरण के बीच आयोजन ने सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता का संदेश दिया।

नवोदय चयन में दुर्गूकोंदल जिले में अग्रणी निःशुल्क कोचिंग का किया निरीक्षण

एबीईओ अंजनी मंडावी ने स्कूलों में पहुंचकर लिया कोचिंग का जायजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्गूकोंदल



ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश दिलाने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग द्वारा निःशुल्क कोचिंग संचालित की जा रही है। इसी क्रम में सहायक खंड शिक्षा अधिकारी अंजनी मंडावी ने विकासखंड के विभिन्न संकुलों एवं विद्यालयों में पहुंचकर विद्यार्थियों की तैयारी का जायजा लिया तथा शिक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने संकुल आमागढ़, हाईस्कूल ईरागांव, प्राथमिक शाला बरहेली तथा संकुल केंद्र दमकसा और लोहत्तर में कोचिंग कक्षाओं का अवलोकन किया। इस दौरान संकुल समन्वयक सुरुंगदोह-1 राजकुमार चंद्राकर भी उपस्थित रहे। अंजनी मंडावी ने विद्यार्थियों से प्रश्न पूछकर उनकी विषयगत समझ और परीक्षा की तैयारी का आकलन किया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, आमागढ़ में 23, लोहत्तर में 36 तथा दमकसा में 21 विद्यार्थी निःशुल्क कोचिंग का लाभ ले रहे हैं। अंजनी मंडावी ने 28 नवंबर 2026 को प्रस्तावित प्रवेश परीक्षा के नए प्रारूप की जानकारी देते हुए शिक्षकों को उसी के अनुरूप अध्यापन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि परीक्षा में कुल 80 प्रश्न होंगे, जिनके लिए 100 अंक निर्धारित हैं।

परीक्षा में मानसिक योग्यता, पर्यावरण, गणित और भाषा से संबंधित प्रश्न शामिल होंगे। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अभ्यास कराने तथा उनकी कठिनाइयों का समाधान करने पर जोर दिया। राजकुमार चंद्राकर ने शिक्षकों को पाठ्यक्रम समय पर पूरा करने और नियमित मॉडल टेस्ट आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यार्थियों के प्राप्तांकों का रिकॉर्ड रखने तथा कमजोर विषयों की पहचान कर अतिरिक्त अभ्यास कराने की बात कही। इससे विद्यार्थियों की प्रश्न हल करने की गति और सटीकता में सुधार हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि जवाहर नवोदय विद्यालय, कांकेर में चयन के मामले में दुर्गूकोंदल विकासखंड पिछले दो वर्षों से जिले में अग्रणी रहा है। सत्र 2024-25 में 21 तथा सत्र 2025-26 में 17 विद्यार्थियों का चयन हुआ था। इस उपलब्धि को आगे बढ़ाने के लिए सहायक खंड शिक्षा अधिकारी ने विकासखंड के सभी 27 संकुलों में निःशुल्क कोचिंग प्रारंभ करने की अपील की। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा की तैयारी करने के लिए प्रेरित किया।

चारामा क्षेत्र से अधेड़ लापता अपहरण की आशंका

कांकेर। चारामा थाना क्षेत्र के ग्राम चंदेली निवासी 51 वर्षीय जेठू राम कोमरा कुछ दिनो से लापता हैं। उनके पुत्र ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनके पिता घर से बिना बताए कहीं चले गए। रिश्तेदारों और परिचितों के यहां तलाश करने के बाद भी उनका पता नहीं चला। परिजनों ने अपहरण की आशंका जताई है। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धारा 140(3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

तुरंत आराम के लिए
तुलसी आयुर्वेदिक चिकित्सालय
पता - तुलसी निवास, बस स्टैंड के पीछे, उपाध्याय नर्सिंग होम के सामने, धमतरी मो.नं. : 9993010732
लकवा रोग, वातरोग - सभी प्रकार के दर्द, गठियाबात, साइटिका, झुनझुनी वात, कमरदर्द, घुटना दर्द, अकड़न, नस रोग का इलाज
चर्मरोग - दाद, खुजली, बेमची, मुंह में छाला होना का इलाज
पेट रोग - कब्ज, गैस, भूख न लगना, खट्टी डकार आना का इलाज
बवासीर - मस्सा होना, खून निकलना, खुजली होना का इलाज
पुरूष रोग - धातुस्राव, शीघ्रपतन व कमजोरी का इलाज
स्त्री रोग - लाल, सफेद पानी आना, मासिक रुकावट का इलाज
बुखार, खांसी, स्वांसरोग, मूत्ररोग, केशरोग, दांतरोग का इलाज

छत्तीसगढ़ में उर्वरक वितरण की नई डिजिटल प्रणाली शुरू

रबी सीजन 2026-27 से किसानों को मोबाइल ऐप के माध्यम से मिलेगा उर्वरक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

किसानों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से उर्वरक उपलब्ध कराने तथा कालाबाजारी पर नियंत्रण के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा उर्वरक विक्रय की नई डिजिटल व्यवस्था लागू की जा रही है। इस व्यवस्था के तहत रबी सीजन 2026-27 से छत्तीसगढ़ के किसानों को मोबाइल ऐप के माध्यम से उर्वरक की खरीदी करनी होगी। किसानों को टोकन के जरिए खाद उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वितरण प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित एवं पारदर्शी बन सकेगी।

मोबाइल ऐप आधारित उर्वरक वितरण प्रणाली को पहले गरियाबंद एवं बीजापुर जिलों में मॉडल के रूप में संचालित किया गया था। इसके सफल क्रियान्वयन के बाद अब रबी सीजन 2026-27 से इसे पूरे छत्तीसगढ़ में लागू किया जा रहा है। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य उर्वरकों की उपलब्धता एवं वितरण को सुव्यवस्थित करना, कालाबाजारी पर नियंत्रण रखना तथा किसानों को खाद प्राप्त करने में होने वाली अनावश्यक परेशानियों को कम करना है। नई प्रणाली के तहत पॉइंट ऑफ सेल पीओएस मशीन के माध्यम से अनिवार्य विक्रय, उपलब्ध स्टॉक का वास्तविक समय में मिलान तथा पात्र किसानों का शत-प्रतिशत पंजीयन एवं आधार लिंकिंग सुनिश्चित करने पर जोर दिया जाएगा।

इससे उर्वरकों की अग्रिम मांग का आकलन करने, भंडारण एवं वितरण की बेहतर कार्ययोजना तैयार करने तथा अमानक उर्वरकों और कालाबाजारी पर निगरानी मजबूत करने में सहायता मिलेगी। नई व्यवस्था के अंतर्गत किसान मोबाइल के माध्यम से उर्वरक खरीदी संबंधी जानकारी प्राप्त कर अपना टोकन स्वयं जारी कर सकेंगे।

अब मोबाइल ऐप से होगी उर्वरक की खरीदी

जिन किसानों के पास स्वयं का मोबाइल फोन नहीं है, वे परिवार के किसी अन्य सदस्य के मोबाइल में गूगल प्ले स्टोर से एफएफएस फर्टिलाइजर ऐप इंस्टॉल कर आवश्यक जानकारी दर्ज कर सकते हैं। प्रक्रिया पूरी होने के बाद टोकन अथवा क्यूआर कोड के माध्यम से किसान अपने नजदीकी निर्धारित केंद्र से फसल के लिए अनुशंसित मात्रा में उर्वरक प्राप्त कर सकेंगे। डिजिटल सुविधा का उपयोग करने में असमर्थ किसान अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर सीएससी के माध्यम से भी आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। इसके बाद वे चयनित उर्वरक विक्रेता से खाद प्राप्त कर पाएंगे। इससे मोबाइल ऐप के उपयोग में कठिनाई का सामना करने वाले किसानों को भी नई व्यवस्था का लाभ मिल सकेगा। कृषि विभाग के अनुसार, डिजिटल प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन से उर्वरक वितरण में पारदर्शिता बढ़ेगी, उपलब्ध स्टॉक की निगरानी बेहतर होगी तथा किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।



